



Mr.yash



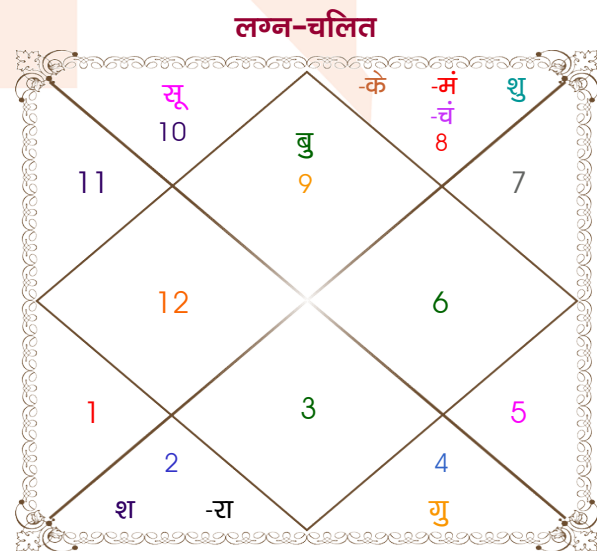
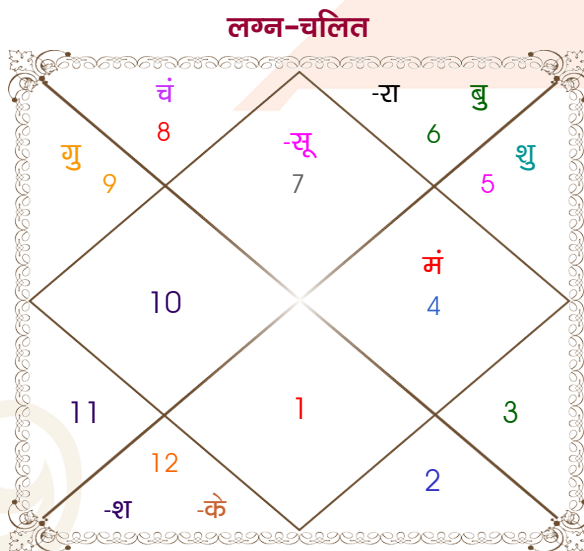
Ms.nivedita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120162711

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 17/10/1996 : _____ जन्म तिथि _____ 26-27/01/2003
 गुरुवार : _____ दिन _____ रवि-सोमवार
 घंटे 08:45:00 : _____ जन्म समय _____ 06:00:00 घंटे
 घटी 05:28:25 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 56:53:47 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Mumbai : _____ स्थान _____ Khachrod
 18:58:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 23:25:00 उत्तर
 72:50:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 75:20:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:38:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:28:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:33:38 : _____ सूर्योदय _____ 07:11:24
 18:14:57 : _____ सूर्यास्त _____ 18:11:04
 23:48:45 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:53:45

विंशोत्तरी बुध 4वर्ष 10मा 20दि शुक्र	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 17वर्ष 5मा 21दि बुध
06/09/2008	29:26:08	तुला	लग्न	धनु	23:07:38	19/07/2020
06/09/2028	00:13:13	तुला	सूर्य	मक	12:44:29	19/07/2037
शुक्र	26:09:56	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	04:24:09	बुध
07/01/2012	28:43:22	कर्क	मंगल	वृश्चि	12:26:44	16/12/2022
सूर्य	19:18:53	कन्या	बुध	धनु	19:22:11	केतु
06/01/2013	16:52:29	धनु	गुरु व	कर्क	20:03:02	13/12/2023
चन्द्र	21:24:16	सिंह	शुक्र	वृश्चि	26:35:27	शुक्र
07/09/2014	08:37:29	मीन व	शनि व	वृष	28:52:28	13/10/2026
मंगल	14:06:36	कन्या व	राहु	वृष	13:02:37	सूर्य
07/11/2015	14:06:36	मीन व	केतु	वृश्चि	13:02:37	चन्द्र
राहु	06:51:03	मक	हर्ष	कुंभ	03:40:09	18/01/2029
07/11/2018	01:11:41	मक	नेप	मक	16:37:01	मंगल
गुरु	07:43:45	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:13:58	राहु
08/07/2021						गुरु
शनि						03/08/2032
06/09/2024						शनि
बुध						09/11/2034
08/07/2027						19/07/2037
केतु						
06/09/2028						



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

Mr.yash का वर्ग मृग है तथा Ms.nivedita का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.yash और Ms.nivedita का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.yash मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम भाव में स्थित है।
Ms.nivedita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nivedita कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।

विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.nivedita कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है ।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms.nivedita कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है ।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है ।

क्योंकि राहु Mr.yash कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है ।

क्योंकि शनि Mr.yash कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

Mr.yash तथा Ms.nivedita में मंगलीक मिलान ठीक है ।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है ।